नई दिल्ली, मंगलवार
30 जून, 2020
ग्रेटर नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

सौ एकड़ में बसाई जाएगी टॉय सिटी प्राधिकरण जल्द लाएगा भूखंड योजना

सेक्टर-33 में भूखंड आवंटन पर बनी सहमति, उद्योग को विकसित होगा ब्लॉक

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : यमुना प्राधिकरण में टॉय सिटी 50 नहीं बल्कि 100 एकड़ में बसेगी। टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया को 50 एकड़ जमीन पर विकसित भूखंड आवंटित करने पर सहमति बन चुकी है। यमुना प्राधिकरण जल्द ही टॉय सिटी के लिए भूखंड योजना निकालकर आवंटन करेगा। एसोसिएशन के सदस्यों ने रविवार को सेक्टर-33 में प्रस्तावित टॉय सिटी की जमीन देखी।

चीन को टक्कर देने के लिए सितंबर से खिलौनों पर आयात शुल्क 60 फीसद होने जा रहा है। मौजूदा समय में यह 20 फीसद है। इस वजह से देशी खिलौना उद्योग की कमर टूटी हुई है। यमुना प्राधिकरण खिलौना उद्योग को गति देने के लिए टॉय सिटी विकसित करने जा रहा है। इसे लेकर प्राधिकरण और टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बीच सहमति बन चुकी है। प्राधिकरण सेक्टर-33 में टॉय सिटी के लिए 100 एकड़ का ब्लॉक विकसित करेगा। 50 एकड़ पर विकसित भूखंड एसोसिएशन के सदस्यों को आवंटित करेगा। यह भूखंड एक हजार से लेकर चार हजार वर्गमीटर तक के होंगे। एसोसिएशन के सदस्यों को लॉट्री से भूखंड संख्या आवंटित होगी। भूखंड आवंटन के लिए प्राधिकरण योजना निकालने जा रहा है।

शेष 50 एकड़ जमीन पर विकसित भूखंड ओपन होंगे। खिलौना उद्योग स्थापित करने के लिए एसोसिएशन से बाहर के कारोबारी भी भूखंड आवंटन के लिए आवेदन कर सकेंगे। रविवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों ने सेक्टर-33 का निरीक्षण किया और भूखंडों की लोकेशन को लेकर संतुष्टि जताई।

टॉय सिटी के लिए सेक्टर-33 में भूखंड आवंटन पर सहमति बन गई है। प्राधिकरण योजना निकालकर जल्द ही भूखंड आवंटन की कार्रवाई करेगा। टॉय एसोसिएशन के अलावा कारोबार से जुड़े अन्य उद्यमियों को भी भूखंड आवंटन का अवसर दिया जाएगा। -**डॉ. अरुणवीर सिंह**, सीईओ यमुना प्राधिकरण

टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया को 50 एकड़ की जमीन पर विकसित भूखंड आवंटित करने पर बन चुकी है सहमति

स्थानीय महिलाओं को मिलेगा रोजगार

खिलौना उद्योग से स्थानीय लोग खासकर महिलाओं को फायदा होगा। उद्योग में महिलाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। एसोसिएशन के सदस्यों ने ग्रामीणों से बातचीत में भरोसा दिया कि खिलौना उद्योग स्थापित होने से ग्रामीणों को आर्थिक फायदा होगा।